हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज आइकॉन

T.C. NO. MAHHIN10172

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला | ईमेल: newsicon2021@gmail.com | मूल्य: रु. - 2/-

वर्ष: २ | अंक: ३ | पृष्ठ: 8 | शुक्रवार 01 जुलाई से 07 जुलाई 2022

BJP ने किया था धोखा वर्ना एकनाथ शिंदे 2019 में बनते महाराष्ट्र के सीएम, संजय राउत ने किया दावा

मुंबई : महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के इस्तीफे के बाद शिवसेना प्रवक्ता संजय राउत का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे को बीजेपी ने धोखा दिया और अब वह उन धोखेबाजों के साथ ही मिलकर सरकार बनाने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2019 में बीजेपी के साथ गठबंधन में तय हुआ था कि ढाई-ढाई साल का दोनों पार्टी से सीएम होगा। उस दौरान शिवसेना की तरफ से एकनाथ शिंदे ही मुख्यमंत्री होते लेकिन बीजेपी ने धोखा दिया। जब हम बीजेपी के साथ थे तब इन लोगों ने ही हल्ला मचाया कि बीजेपी हमारी पार्टी बर्बाद कर रही

है। एकनाथ शिंदे ने ही मंत्री पद से त्यागपत्र दिया। कहा कि शिवसेना के साथ अत्याचार हो रहा है मैं मंत्रिपद पर बैठकर क्या करूं?एक चैनल को दिए इंटरव्यू में एकनाथ शिंदे ने कहा कि हम सत्ता के लिए नहीं, सत्ता हमारे लिए पैदा हुई है। हम फिर अपने बलबूते पर सत्ता में आएंगे। पीछे कौन है और क्यों हो रहा है सब जानता हूं। चौपाटी में आने दीजिए नजरों से नजरें मिलाइए फिर देखेंगे कितने रहेंगे और कितने भागेंगे।संजय राउत ने कहा कि हम आखिरी समय तक कोशिश करते रहे लेकिन जब सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया तो हम समझ गए कि सब सेट है। अटल जी कहते थे कि मंडी में माल बिकने को तैयार था हमने खरीदा नहीं। जो माल बिक गया हमने उसे फिर से नहीं खरीदा।40 जिंदा लाशों वाले बयान पर संजय राउत ने कहा कि जिन्होंने इस बयान का गलत मतलब निकाला उन्हें साहित्य की जानकारी नहीं है। साहित्य में जिंदा लाशों का मतलब होता है ऐसे लोग जिनका जमीर मर चुका है। हमें सबको सबक सिखाना है, चुनाव पर सबको घर बिठाना है। हमारी पार्टी इंटरनैशनल नहीं है, शहर और गांव की पार्टी है। कागज की पार्टी नहीं है जमीन की पार्टी है। हिंदुत्व पर संजय राउत ने कहा कि हमने हिदुत्व के साथ कभी धोखा नहीं दिया। ये लोग कौन सा हिंदुत्व के तीस मारखां हैं, ये लोग जो हैं वे सभी एनसीपी आर कांग्रेस से आए हैं। यही लोग हैं जो हमारे बीजेपी गठबंधन में रहने के दौरान विरोध करते थे। आरोप लगाते थे कि बीजेपी शिवसैनिकों पर अत्याचार कर रही है, शिवसेना को खत्म कर रही है।

शिवसेना, शिवसेना है, वह एकनाथ शिंदे की नहीं है। जब तक शिवसेना है तब तक हम नेता हैं। उद्धव ठाकरे ने कभी स्वार्थ की राजनीति नहीं की, दलाली और सौदेबाजी नहीं की, इसे चूक कहें तो कहते रहें। राज्यसभा सांसद और प्रवक्ता संजय राउत ने उद्धव ठाकरे के इस्तीफे के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा है कि हमारे अपने लोगों ने ही धोखा दिया है।

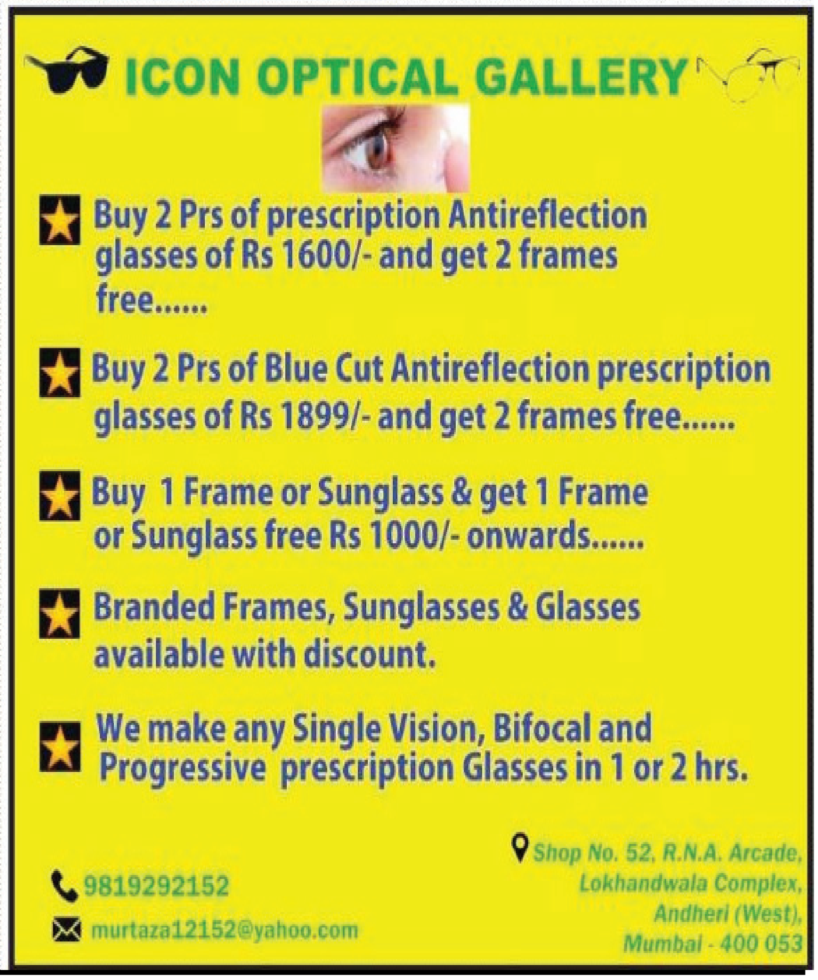

फडणवीस का चेहरा बता रहा था कि वह खुश नहीं थे- शरद पवार ने साधा निशाना

मुंबईः महाराष्ट्र के एकनाथ शिंदे के नए सीएम पद के रूप में शपथ लेने के बाद एनसीपी चीफ शरद पवार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। शरद पवार ने कहा कि किसी ने भी नहीं सोचा था कि एकनाथ शिंदे सीएम होंगे। उन्होंने फडणवीस की बॉडी लैंग्वेज पर सवाल उठाए हुए कहा कि वह खुश नहीं दिख रहे थे। वहीं महाराष्ट्र में सरकार बदलने के बाद शरद पवार को इनकम टैक्स की नोटिस मिलने पर एनसीपी ने सवाल उठाए हैं।

ऐमजॉन पर फोन फेस्ट, 30 जून तक मोबाइल फोन्स पर बंपर ऑफर्स शरद पवार ने कहा, ह्यमैं एकनाथ शिंदे को उनकी नई जिम्मेदारी के लिए बधाई देता हूं। उन्होंने इतनी बड़ी संख्या में विधायकों को गुवाहाटी ले जाने की ताकत दिखाई। उन्होंने लोगों को शिवसेना छोड़ने के लिए प्रेरित किया। एकनाथ शिंदे सीएम होंगे, इसकी किसी ने कल्पना ही नहीं की थी।

फडणवीस को लेकर एनसीपी चीफ ने कहा, ह्यदेवेंद्र फडणवीस का चेहरा बता रहा था कि वो सेकंड पोजीशन से खुश नहीं। वह राज्य के सीएम रहे, वह विपक्ष के नेता भी रहे। आज आगे आकर उन्होंने डेप्युटी सीएम का पद ग्रहण किया। जब उन्होंने डेप्युटी सीएम के रूप में शपथ ली तो उनकी बॉडी लैंग्वेज पॉजिटिव नहीं लग रही थी। वह खुश नहीं लग रहे थे लेकिन वह आरएसएस के अनुशासन में रहे

हैं इसलिए उन्होंने महाराष्ट्र के डेप्युटी सीएम का पद स्वीकार किया। उद्धव ठाकरे के लिए शरद पवार ने कहा, ह्यउन्होंने अल्पमत को ग्रेसफुली स्वीकार इस्तीफा दिया। उन्होंने सत्ता का मोह नहीं रखा। शिवसेना, कांग्रेस और एनसीपी का भविष्य अभी तय नहीं है ह्न शरद पवार ने कहा कि कई विधायकों के पीछे ईडी लगाई गई है। उन्होंने कहा, ह्यकुछ साल पहले कोई ईडी को नहीं जानता था ह्न शरद पवार ने कहा, ह्य2004 के बाद से समय के लिए मुझे इनकम टैक्स की ओर से नोटिस भेजा जा रहा है। ईडी, आईटी, सीबीआई सबको नोटिस भेज रहा है, जो चिंताजनक बात है ह्नइनकम टैक्स की तरफ से शरद पवार को नोटिस मिलने पर एनसीपी ने निशाना साधा। एनसीपी प्रवक्ता महेश भारत तापसे ने कहा, ह्यमहाराष्ट्र सरकार में बदलाव के बाद शरद पवार को 2004, 2009, 2014 और 2020 के चुनावी हलफनामे को लेकर इनकम टैक्स का नोटिस मिला है। यह महज संयोग है

महाराष्ट्र में कोरोना वायरस संक्रमण के 3,640 नए मामले, तीन की मौत

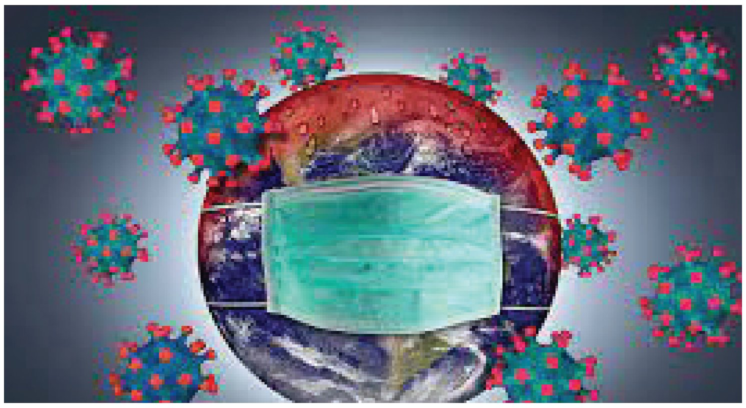

मुंबईः महाराष्ट्र में बृहस्पतिवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 3,640 नए मामले मिले और तीन मरीजों ने संक्रमण के कारण दम तोड़ दिया। राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने यह जानकारी दी। विभाग ने बुलेटिन में कहा, इन नए मामलों के साथ ही राज्य में कोविड-19 के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 79,76,114 हो गयी, जबकि अब तक जान गंवाने वालों की संख्या 1,47,925 तक पहुंच गई है। महाराष्ट्र में बुधवार को कोविड-19 के 3,957 मामले मिले थे और सात मरीजों की मौत हो गई थी।

मुंबई में बृहस्पतिवार को कोविड-19 के 1,265 मामले दर्ज किए गए

महाराष्ट्र में बुधवार को कोविड-19 के 3,957 मामले मिले थे और सात मरीजों की मौत हो गई थी। मुंबई में बृहस्पतिवार को कोविड-19 के 1,265 मामले दर्ज किए गए और एक मरीज की मौत हुई।बुलेटिन के मुताबिक, अहमदनगर और कोल्हापुर जिले में एक-एक मौत दर्ज.की गई है। राज्य में कोविड-19 की मृत्यु दर 1.85 प्रतिशत दर्ज.की गयी। विभाग ने बताया, इसके अलावा, पिछले 24 घंटों में 4,432 मरीज संक्रमण से उबर चुके हैं,जिससे राज्य में अब तक संक्रमण मुक्त हो चुके मरीजों की संख्या बढ़कर 78,03,249 हो गई है।

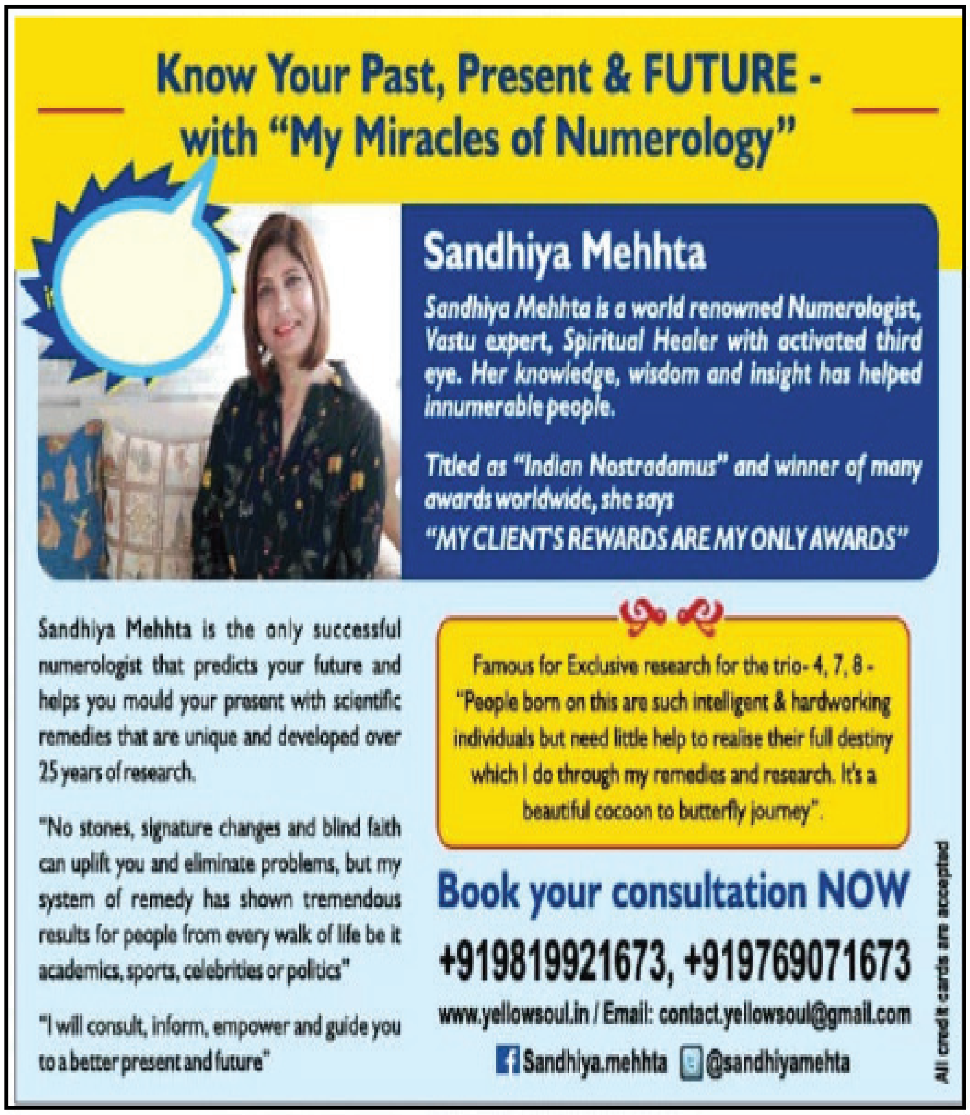

सौभाग्य, पतन का प्रवास..भाई उद्धव पर राज ठाकरे का तीखा तंज

मुंबईः पिछले 10 दिनों से चल रहा महाराष्ट्र की सत्ता का ड्रामा गुरुवार को उद्धव ठाकरे के इस्तीफे के साथ खत्म हो गया। उद्धव के महाराष्ट्र मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद उनके चचेरे भाई राज ठाकरे ने भी उनके ऊपर तंज कसा है। राज ठाकरे ने कहा कि जिस दिन मनुष्य अपने सौभाग्य को ही अपना निजी कर्तव्य मानने लगता है उसका पतन शुरू हो जाता है।

ऐमजॉन पर फोन फेस्ट, 30 जून तक मोबाइल फोन्स पर बंपर ऑफर्स

महाराष्ट्र नव निर्माण सेना के प्रमुख और उद्धव ठाकरे के चचेरे भाई राज ठाकरे बीते कई दिनों से उद्धव ठाकरे की सरकार को निशाने पर ले रहे हैं। बीते दिनों उन्होंने मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने का मुद्दा उठाया और शिवसेना सरकार को निशाने पर लिया।राज ठाकरे ने ट्वीट के जरिए उद्धव ठाकरे पर इशारों में निशाना साधा है। राज ने ट्वीट में लिखा, ह्लजिस दिन मनुष्य अपने सौभाग्य को ही अपना निजी कर्तव्य मानने लगता है, उस दिन से पतन का प्रवास शुरू हो जाता है ह्व राज ठाकरे ने यह ट्वीट हिंदी, मराठी और अंग्रेजी तीन भाषाओं में किया। इन लाइनों को लिखने के बाद राज ठाकरे ने नीचे अपना हस्ताक्षर किया।इससे पहले राज ठाकरे की पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने पोस्टर लगाकर शिवसेना पर तंज कसा था।

इसमें शिवसेना की ओर इशारा करते हुए पूछा गया है कि अब कैसा लग रह है। मुंबई के साकीनाका इलाके में एमएनएस का यह पोस्टर लगाया गया था। अजान विवाद में भी राज ठाकरे उद्धव ठाकरे सरकार के सामने खुलकर खड़े हो गए थे। उन्होंने सभी मस्जिदों से लाउडस्पीकर उतरवाने को लेकर अल्टीमेटल दिया था।

एक समय था जब राज ठाकरे को शिवसेना के भावी नेता के तौर पर देखा जाने लगा था। वह महाराष्ट्र की राजनीति में चमकता सितारा थे। लोगों को उनमें बाल ठाकरे की छवि दिखती थी। इसने उन्हें शिवसैनिकों में चहेता बना दिया था। हालांकि, जब शिवसेना का उत्तराधिकारी बनाने की बात आई तो बाल ठाकरे भतीजे राज के बजाय बेटे उद्धव को तवज्जो देने लगे। राज ठाकरे इस बात से नाराज हो गए थे। उन्होंने शिवसेना से बगावत कर दी थी। जनवरी 2006 में पार्टी से अलग होने के बाद राज ठाकरे ने मार्च 2006 में अपनी पार्टी बना ली थी। उन्होंने इस पार्टी का नाम रखा था महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस)। उनके साथ तब शिवसेना के कई समर्थक भी गए थे।

यह तो झांकी है, मुंबई महापालिका अभी बाकी है; उद्धव के इस्तीफे पर भाजपा का तंज

मुंबईः महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने बुधवार रात यहां राजभवन में राज्य के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को अपना इस्तीफा सौंप दिया। राजभवन के सूत्रों ने बताया कि राज्यपाल ने ठाकरे का इस्तीफा स्वीकार कर लिया और उन्हें वैकल्पिक व्यवस्था होने तक मुख्यमंत्री पद पर बने रहने को कहा। ठाकरे के इस्तीफे के साथ ही भाजपा खेमे में जश्न का शुरू हो गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने ठाकरे के इस्तीफे के बाद उन पर तंज कसा। इसी साल होने वाले बीएमसी चुनाव को लेकर भाजपा ने कहा कि यह को केवल झांकी है। बता दें कि बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) दुनिया की सबसे अमीर और बड़ी महानगरपालिका है। इसे शिवसेना की सबसे बड़ी ताकत माना जाता है और सालों से उसका यहां दबदबा रहा है। बीएमसी की ताकत का अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि इसने साल 2022-23 के लिए 45 हजार 940.78 करोड़ रुपये का बजट पेश किया था। मुंबई भाजपा ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट करते हुए लिखा, ह्लयह तो झांकी है.... मुंबई महापालिका अभी बाकी है...! इसके साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की तस्वीर भी शेयर की है जिसमें वे अपने हाथ में बल्ला पकड़े नजर आ रहे हैं।

इसके अलावा भाजपा महासचिव व महाराष्ट्र के प्रभारी सी टी रवि ने एक ट्वीट में कहा, कर्म किसी को भी नहीं छोड़ता है। इस ट्वीट के साथ ही उन्होंने पालघर हिंसा से जुड़ी एक तस्वीर भी साझा की। रवि ने एक अन्य ट्वीट में कहा, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में इस्तीफा देने की उद्धव ठाकरे की घोषणा का मैं स्वागत करता हूं। वह उसी दिन समझ गए थे कि उन्होंने बहुमत खो दिया है जब शिवसेना के मंत्री एकनाथ शिंदे ने हिन्दुत्व से धोखा करने के लिए विद्रोह कर दिया था। उनके कार्यकाल ने साबित कर दिया है कि अवसरवादी गठबंधन नहीं टिकता है।

एकनाथ शिंदे के डिप्टी CM होंगे फडणवीस, नड्डा ने 'त्याग' की तारीफ कर मनाया

मुंबईः देवेंद्र फडणवीस ने एकनाथ शिंदे सरकार में डिप्टी सीएम के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ ली। इससे पहले शिंदे की ताजपोशी के ऐलान के साथ ही देवेंद्र फडणवीस ने खुद को सरकार से बाहर रखने का फैसला लिया था। ऐसा माना जा रहा था कि फडणवीस ने बड़ा दिल दिखाया और शिंदे को मुख्यमंत्री बनाना स्वीकार किया। मीडिया रिपोर्ट्स हैं कि देवेंद्र फडणवीस के सरकार से बाहर रहने के फैसले पर भाजपा हाईकमान तैयार नहीं था। किसी तरह उन्हें शिंदे कैबिनेट में शामिल होने के लिए मनाया गया। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कंफर्म किया कि देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के नए डिप्टी सीएम होंगे। बुधवार को उद्धव ठाकरे के महाराष्ट्र सीएम पद से इस्तीफा देने के बाद से माना जा रहा था कि देवेंद्र फडणवीस ही प्रदेश के अगले मुखिया होंगे लेकिन, बड़ा उलटफेर करते हुए फडणवीस ने प्रेस वार्ता में ऐलान किया कि एकनाथ शिंदे ही प्रदेश के नए सीएम होंगे। ऐलान हुआ कि शिंदे आज ही सीएम पद की शपथ भी लेंगे। फडणवीस ने यह भी कहा कि वो शिंदे सरकार को समर्थन देंगे लेकिन सरकार में शामिल नहीं होंगे।

संपादकीय

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला

ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था की तैयारी

जब 2016 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) की शुरूआत की गई थी, तब हमारी सबसे बड़ी चुनौती थी, देश के सुदूर क्षेत्र में रहने वाली अंतिम महिला तक एलपीजी सिलेंडर के साथ पहुंचना। एक समर्पित कार्यबल और मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ पीएमयूवाई की सफलता और सबसे कमजोर लोगों के जीवन पर इसके महत्वपूर्ण प्रभाव से मुझे भरोसा हुआ है कि हम नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (एनईपी) को लागू करने के चुनौतीपूर्ण कार्य को पूरा करने में सक्षम होंगे। इस नीति में शिक्षा व्यवस्था में व्यापक बदलाव की परिकल्पना की गई है, ताकि हमारे देश के छात्र 21वीं सदी की ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था की चुनौतियों का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार हो सकें। भारत सबसे युवा देशों में से एक है, जिसकी 50 प्रतिशत से अधिक आबादी 30 साल से कम उम्र की है। संभावित जनसांख्यिकीय लाभांश का फायदा स्पष्ट तौर पर दिखता है। मगर यह क्षमता हमारे पास हमेशा के लिए नहीं रहेगी। इसका लाभ भी हमें अपने आप नहीं मिलेगा। इसके लिए ठोस प्रयास और नीतिगत हस्तक्षेप की जरूरत है। एक साधारण गणना बताती है कि हमारे पास नौजवानों की क्षमता का पूरी तरह दोहन करने के लिए लगभग दो दशकों से थोड़ा अधिक समय है, या जिसका प्रधानमंत्री अमृत काल के रूप में जिक्र करते हैं- स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने से पहले की 25 साल की अवधि। यही वजह है कि हमारे युवाओं की जरूरतों और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रणाली में व्यापक बदलाव लाजिमी हैं।

एनईपी-2020 हमारे देश की यात्रा में ऐसा ही एक परिवर्तन है। प्रधानमंत्री के शब्दों में, एनईपी-2020 आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला के रूप में काम करेगी। एनईपी पूर्व-प्राथमिक से उच्च शिक्षा के सभी स्तरों पर हमारी शिक्षा व्यवस्था की पुनर्संरचना करती है और एक कौशल व अनुसंधान इकोसिस्टम के साथ इसका पुनर्गठन करती है। यह चार सिद्धांतों पर आधारित है- पहुंच, गुणवत्ता, समानता और किफायत। एनईपी का लक्ष्य विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के स्थान पर एकल नियामक निकाय के रूप में भारतीय उच्च शिक्षा आयोग (एचईसीआई) को स्थापित करना और उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात को वर्तमान के 27.1 प्रतिशत से बढ़ाकर 2035 तक 50 प्रतिशत करना है। नई शिक्षा नीति यह सुनिश्चित करेगी कि विनियमन, मान्यता देने, वित्त पोषण और शैक्षणिक मानक-निर्धारण का कार्य स्वतंत्र और अधिकार प्राप्त निकायों द्वारा किया जा रहा है। एनईपी की विभिन्न प्रगतिशील सिफारिशें में शामिल हैं- सभी चरणों में अनुभव से जुड़ी शिक्षा, नवीन और गतिविधि-आधारित शिक्षाशास्त्र, उच्च शिक्षा में प्रवेश/निकास के बहु-विकल्प, विभिन्न संकायों से जुड़ी शिक्षा, एक एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट की स्थापना आदि। इन परिवर्तनों को पूरा करने के लिए नीतिगत सुधारों के साथ भारत की शिक्षा और अध्ययन कार्यक्रमों के अंतरराष्ट्रीयकरण पर भी जोर दिया गया है। नई शिक्षा नीति 21वीं सदी की आकांक्षा का प्रतिनिधित्व करने के साथ-साथ तात्कालिक चुनौतियों की भी पहचान करती है। यह नीति आह्वान करती है कि प्रत्येक छात्र तीसरी कक्षा तक मूलभूत साक्षरता व संख्यात्मक योग्यता प्राप्त कर ले। इसके लिए ह्ननिपुण भारतह्व नाम से राष्ट्रीय मिशन शुरू किया गया है, ताकि देश का तीसरी कक्षा का प्रत्येक बच्चा 2026-27 तक यह योग्यता प्राप्त कर सके।

आजमगढ़ और रामपुर में भाजपा की जीत के संदेश

अंततः भाजपा ने समाजवादियों के अजेय दुर्ग आजमगढ़ और रामपुर ढहा देने में सफलता प्राप्त कर ली। आजमगढ़ और रामपुर में भाजपा की जीत को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व और सुशासन पर जनता के अगाध विश्वास के प्रतीक के रूप में देखा जा रहा है। आजमगढ़ लोकसभा में भाजपा की विजय इसलिए ऐतिहासिक मानी जा रही है क्योंकि 2014 और 2019 की मोदी लहर में भी सपा यह सीट निकालने में कामयाब रही थी लेकिन अब 2022 में भाजपा प्रत्याशी दिनेशलाल यादव ह्ननिरहुआह्व ने सपा उम्मीदवार धर्मेंद्र यादव को 8679 वोटों से हराकर यह सीट जीत ली। उल्लेखनीय है कि ये सीट स्वयं सपा मुखिया अखिलेशयादव के पास थी जिन्होंने विधानसभा चुनाव जीतने के बाद यहां से त्यागपत्र दे दिया था, आजमगढ़ की यह सीट अखिलेशयादव की पारिवारिक सीट और समाजवादियों का गढ़ मानी जाती रही है लेकिन इस बार यह गढ़ ढह गया है । राजनैतिक विश्लेषक इसे 2024 की आहट मान रहे हैं ।

रामपुर व आजमगढ़ में सपा की हार पर भड़के ओवैसी, बोले-आजमगढ़ और रामपुर में भाजपा की विजय का सबसे बड़ा कारण, कठिन और अनथक परिश्रम ही माना जाना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा जिलों के प्रभारी मंत्री यहां का बराबर दौरा करते रहे जबकि सपा मुखिया अखिलेशयादव ने आजमगढ़ से दूरी बना ली और उन्होंने वहां का दौरा तक नहीं किया जबकि रामपुर को उन्होंने आजम खां के हवाले कर दिया था। विश्लेषकों का कहना है कि दोनों ही जगहों पर सपा को हराने में बसपा की महती भूमिका रही है, लेकिन सच्चाई यह भी है कि इस बार आजमगढ़ और रामपुर लोकसभा उपचुनाव जीतने के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में तेज धूप में कड़ी मेहनत की है जिसका परिणाम सकारात्मक आया है प्रदेशकी जनता ने बता दिया है कि उप्र के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ही उपयोगी हैं। प्रदेशकी जनता ने माफियाओं व अपराधियों के खिलाफ हो रही कार्यवाही है तथा अवैध संपत्तियों पर चल रहे बुलडोजर का रहा है पुरजोर समर्थन किया है। भारतीय जनता पार्टी की विजय से यह साफ संदेशगया है कि भाजपा हमेशा जनता के बीच रहती है जबकि कुछ लोग केवल चुनाव के दौरान अपने कपडे.बदलकर जनता को बरगलाने के लिए मैदान में आ जाते हैं।

समाजवादियों की हरकतों से आजमगढ़ और रामपुर की जनता उब चुकी थी और परिवर्तन चाह रही थी। आजमगढ़ में जहां बसपा उम्मीदवार गुडडू ह्नजमालीह्व ने बहुत मजबूती से चुनाव लड़ा और सपा के वोटबैंक में अच्छी सेंधमारी की वहीं रामपुर में बसपा ने अपना उम्मीदवार नहीं उतारा । आजमगढ़ में भाजपा प्रत्याशी दिनेशलाल यादव ह्ननिरहुआह्व एक लोकप्रिय भोजपुरी कलाकार हैं जो शुरूआती दिनों में शादियों में गाया करते थे। इस बात को लेकर विरोधी दलों के नेताओं ने नचनिया कहकर उनका मजाक बनाया जबकि वह बराबर जनता के बीच बने रहे और उसके सुख दुःख में शामिल हुए जिसका उनको सीधा लाभ मिला । आजमगढ़ में भाजपा की विजय पीछे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का वह भाषण भी है जिसमें उन्होंने कहा था कि यह आजमगढ़ को आर्यमगढ़ बनाने का अवसर है जिसे हाथ से न जानें दें। भाजपा सरकार में संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना और कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के नेतृत्व में कुशलता के साथ रणनीति बनाई गई और जमकर चुनाव प्रचार किया गया ,परिणाम प्रदेश व देशके सामने है। चुनाव परिणामों से साफ है कि जनता अब परिवारवाद, जातिवाद, क्षेत्रवाद के साथ माफिया वाद और मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति से तंग आ चुकी हैं। रामपुर में 90 मुकदमे वाले आजम खां ने जनता के सामने खूब आंसू बहाये और गिड़गिडाय़ा लेकिन वह सब कुछ उसके काम नहीं आ सका और परिणाम सामने है। अब प्रदेश की जनता विकास चाहती है। अराजकता नहीं चाहती। कुछ लोगों का ही तुष्टिकरण नहीं चाहती अपितु सबका साथ सबका विकास चाहती है। अब प्रदेशकी जनता हर क्षेत्र में नयापन देखना चाहती है।

उपचुनावों की जीत ने प्रदेशकी जनता ने योगी सरकार के सौ दिन के कामकाज पर मुहर लगा दी है। जबकि वहीं दूसरी ओर समाजवादी पार्टी व अखिलेशयादव की लगातार और आक्रामक मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति को पूरी तरह से खारिज कर दिया है।

आजमगढ़ और रामपुर की जनता ने यह बता दिया है कि उन्हें केंद्र व प्रदेश सरकार की ओर से चलायी जा रही गरीब कल्याणकारी योजनाओं का लाभ बिना भेद भाव के मिल रहा है । वहां की जनता को यह भी लगा लगा कि अगर उनके जिले से सांसद और विधायक भी एक ही दल के होंगे तो डबल इंजन की सरकारों में उनके जिलों का विकास भी दुगनी गति से हो सकेगा। रामपुर में भाजपा की जीत हैरत में डालने वाली है क्योंकि जहां पर 55 प्रतिशत मुस्लिम आबादी हार -जीत तय करती है वहां पर भाजपा जीत गयी और वह भी भारी अंतर से यह चमत्कार आखिर कैसे हो गया ? रामपुर में भाजपा प्रत्याशी घनश्याम लोधी ने 19वें राउंड से बढ़त बनाई और फिर लगातार आगे निकलते ही चले गये। रामपुर में भाजपा की जीत से तथाकथित सेकुलर जमात और भाजपा विरोधी मीडिया खेमे में सन्नाटा पसर गया। रामपुर में 90 केसों के तहत जेल में रहने के बाद बाहर आये आजम खां की भावुक अपीलों व धमकियों का असर भी काम नहीं आया। जब उन्होंने रामपुर से आसिम राजा को प्रत्याशी बनाया उस समय उन्होंने कहा था कि आसिम बहुत ही मजबूती से चुनाव मैदान में उतर रहे हैं और वह जरूर जीतेंगे। चुनाव प्रचार के दौरान आजम खान अपने खिलाफ हो रही कार्रवाई को उत्पीड़न बताकर मुस्लिम समाज को डरा रहे थे। भावुकता का कार्ड खेल रहे थे। चुनाव प्रचार के दौरान आजम खान ने मुस्लिम तुष्टिकरण की सारी हदें पार करने की पुरजोर कोशिश की। उन्होंने नुपूर शर्मा के बयानों पर राजनीति की और पैगंबर मोहम्मद के अपमान को भी मुदा बनाया। आजम ने चुनाव प्रचार के दौरान कहा कि अगर जनता ने इस बार उनके प्रत्याशी को विजयी नहीं बनाया तो उनकी रातें और काली तथा स्याह हो जायेंगी। आज रामपुर की जनता ने आजम खां तथा उनके गुर्गों को संदेशदे दिया है कि अब प्रदेश के जनमानस में तेजी से बदलाव आ रहा है।

उदयपुर कांड के विरोध में हिन्दू संगठनों का प्रदर्शन

लखनऊः उदयपुर कांड के विरोध में बुधवार को हिन्दू संगठनों ने कानपुर, प्रयागराज, अलीगढ़, मेरठ, आगरा, सहारनपुर, गोरखपुर, बस्ती, वाराणसी, उन्नाव, कन्नौज, फतेहपुर, हमीरपुर, हापुड़, रामपुर, मुरादाबाद, बुलंदशहर, महोबा व अमरोहा विभिन्न जिलों में प्रदर्शन किया। प्रदेश के एडीजी कानून-व्यवस्था प्रशांत कुमार ने कहा कि सभी जिलों में शांति रही। जुलूस निकालने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। सभी संवेदनशील स्थानों पर पुलिस ने लगातार गश्त किया। सोशल मीडिया की भी कड़ी निगरानी की गई। नूपुर शर्मा के बयान का समर्थन करने वाले व्यक्ति की उदयपुर (राजस्थान) में कट्टरपंथियों द्वारा निर्ममतापूर्वक हत्या कर दिए जाने की घटना के विरोध में विहिप, बजरंग दल और हिंदू जागरण मंच समेत कई हिन्दू संगठनों ने जिलों में प्रदर्शन करते हुए पुतला फूंका। साथ ही जिला प्रशासन के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा गया। कन्नौज में योगी सेना नामक संगठन ने विरोध प्रदर्शन किया। वाराणसी में जिला व सत्र न्यायालय के अधिवक्ताओं ने कचहरी में प्रदर्शन किया। मुफ्ती-ए-शहर मौलाना अब्दुल बातिन नोमानी ने घटना को इस्लाम विरोधी बताते हुए कहा कि इस्लाम में हिंसा की जगह नहीं होती है। ज्ञानवापी का प्रबंधन करने वाली अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी के संयुक्त सचिव एमएस यासीन ने कहा कि घटना

गैरकानूनी, गैरइस्लामी औ गैर इंसानी है। मुरादाबाद में विभिन्न संगठनों ने कई स्थानों पर प्रदर्शन करके अपने गुस्से का इजहार किया। सपा के विधायक अब्दुल्ला आजम खां ने भी घटना की कड़ी निंदा की है। अमरोहा के मंडी धनौरा में विहिप और बजरंग दल तथा संभल में हिन्दू जागरण मंच के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। उन्होंने अधिकारियों को ज्ञापन देकर जिहादी मानसिकता पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। सपा नेता आजम खां के बेटे और विधायक अब्दुल्ला आजम ने उदयपुर की घटना को इंसानियत के नाम पर बदनुमा दाग बताया। अपने ट्वीट में अब्दुल्ला ने कहा कि नफरत के नाम पर किए जाने वाले हर जुर्म की कड़ी से कड़ी सजा होनी चाहिए। इस बीच नूपुर शर्मा को समर्थन देने के मामले में रामपुर के भाजपा नेता दिलीप सक्सेना और मुस्लिम महासंघ के नेता फरहत अली खां को जान से मारने की धमकी मिलने से मामला और गरमा गया है। दोनों ही मामले में पुलिस से शिकायत की गई है। की निंदा की अलीगढ़ में विहिप, बजरंग दल व हिन्दू जागरण मंच ने प्रदर्शन किया। संगठनों द्वारा हत्या के आरोपियों व राजस्थान सरकार का पुतला फूंका गया। जीटी रोड स्थित रामलीला ग्राउंड पर प्रदर्शनकारियों से पुलिस द्वारा पुतला छीनने का प्रयास किया गया लेकिन वह कामयाब नहीं हो सके। इसको लेकर पुलिस व प्रदर्शनकारियों में नोंकझोंक भी हुई। पुलिस ने कुछ कार्यकर्ताओं को हिरासत में भी लिया।

सरकार गिरने दो, फिर तुम्हें सड़क पर... मुंबई की पूर्व मेयर किशोरी पेडनेकर को जान से मारने की धमकी

मुंबईः महाराष्ट्र में जहां एक तरफ सरकार को गिराने और बचाने का खेल शुरू है। वहीं दूसरी तरफ मुंबई की पूर्व मेयर किशोरी पेडनेकर को जान से मारने की धमकी मिली है। मेयर को यह धमकी एक पत्र द्वारा दी गई है।

जसमें लिखा है, ह्यसरकार गिरने दो फिर हम तुम्हें रास्ते पर लाकर मारेंगेह्र। लेटर में इस बात का भी जिक्र है कि पहले जो धमकी मिली थी। उसे भी हमने ही भिजवाया था। किशोरी पेडणेकर ने नवभारत टाइम्स ऑनलाइन को बताया कि उन्होंने इस संबंध में मुंबई पुलिस( ) से शिकायत की है। पत्र लिखने वाले ने खुद का नाम विजेंद्र म्हात्रे लिखा है।

किशोरी पेडनेकर ने बताया कि इस तरह की धमकियां पहले भी आ चुकी हैं। पहले भी लोग जान से मारने की बातें कर चुके हैं। लेकिन मैं किसी से डरने वाली नहीं हूं।

उदयपुर घटना के बाद उत्तराखंड में हाई अलर्ट, CM धामी की दो टूक- माहौल बिगाड़ने पर सख्ती

उदयपुर में हुई युवक की हत्या के बाद उत्तराखंड में कानून व्यवस्था वाली एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। सीएम पुष्कर सिंह धामी के मुताबिक शांति व्यवस्था भंग करने वालों के खिलाफ पुलिस को सख्ती के निर्देश दिए गए हैं। राजस्थान उदयपुर में दर्जी की हत्या को लेकर सोशल मीडिया पर सभी जगह प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। इस घटना की आंच उत्तराखंड पर न आए इसके लिए सरकार ने पुलिस और प्रशासन को हाई अलर्ट पर रखा हुआ है।

कविता

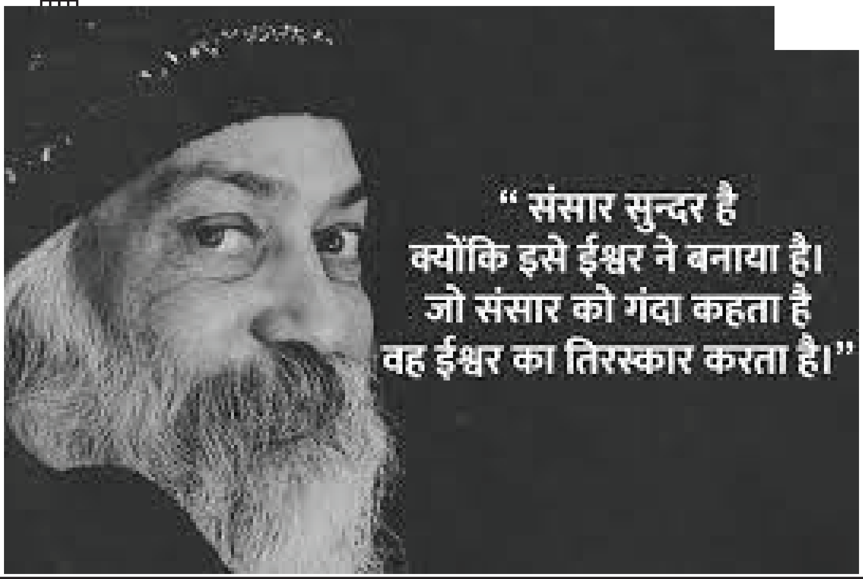

कहै कबीर दीवाना-ओशो

यह गुरु के कारण घटती है। कबीर के गुरु थे रामानंद। कबीर उनको नाचते देखते। तंबूरा बजता है, रामानंद नाचते हैं। कबीर उनके पास बैठते हैं। उनसे बहते आनंद के झरने का स्पर्श होता है। उनकी मस्ती, उनकी समाधिस्थ आनंद की दशा, सोते-जाते रामानंद को सब रूपों में देखते हैं। उस रूप में धीरे-धीरे अरूप की भनक पड़ने लगती है। रामानंद के पास होते-होते राम के पास होने लगते। क्योंकि रामानंद यानी राम को पा कर मिला आनंद। यह नाम बड़ा प्यारा है कबीर के गुरु का--रामानंद। जिसको मिल गया और जो उसके आनंद से भरा है। राम का पता नहीं है कबीर को, लेकिन रामानंद में घटे आनंद का पता है। वह घट रहा है। वह प्रतिपल बरस रहा है। वहां मेघ गरज ही रहे हैं। चहुं दिस दमके दामिनी। वहां तो बिजली चमक रही है। वह रामानंद के पास रोग लगता है। रामानंद संक्रामक बीमारी हो जाते हैं। **जारी...**

क्या ब्रेकफास्ट में फल खाना सही है?

कि अगर आप सुबह में अच्छा और हेल्दी नाश्ता नहीं करते हैं तो उसकी वजह से दिन भर आपके शरीर में थकान और कमजोर बनी रहती है। आज के समय में भागदौड़ भरी जीवनशैली के कारण लोग समय बचाने के लिए रेडी टू ईट चीजों का सेवन करते हैं तो वहीं कुछ लोग सिर्फ फलों का सेवन कर अपना नाश्ता करते हैं। सुबह के समय नाश्ते में शरीर के लिए जरूरी पोषक तत्वों का होना बहुत जरूरी होता है। लेकिन कई लोगों का यह सवाल होता है कि क्या ब्रेकफास्ट में फल खाना सही है? क्या नाश्ते में फलों का सेवन करने से शरीर को फायदा मिलता है और अगर हां तो इस दौरान कौन से फल खाना ज्यादा फायदेमंद है? आइये विस्तार से जानते हैं इन सवालों के जवाब। ब्रेकफास्ट के लिए कई लोग फलों को अपनी डाइट में शामिल करते हैं। सुबह के समय ऐसा नाश्ता करना चाहिए जिससे आपके शरीर को पर्याप्त मात्रा में कैलोरी के साथ-साथ विटामिन और कैल्शियम और कार्ब्स आदि मिलें। सुबह के समय नाश्ते में फाइबर की पर्याप्त मात्रा होने से आपका पेट लंबे समय तक भरा रहता है और जल्दी भूख नहीं लगती है। आरोग्यं हेल्थ सेंटर के डॉ एस के पांडेय के मुताबिक सुबह के

समय नाश्ते में फलों को शामिल किया जा सकता है लेकिन इस दौरान आपको कुछ चीजों का ध्यान जरूर रखना चाहिए। नाश्ते में कैलोरी की पर्याप्त मात्रा का ध्यान जरूर रखना चाहिए। इसके अलावा कुछ फल ऐसे भी होते हैं जिनका सेवन सुबह के समय खालीपेट करना नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए आपको ब्रेकफास्ट के दौरान इसका ध्यान जरूर रखना चाहिए। सुबह के समय शरीर को ऐसे पोषक तत्वों की जरूरत होती है जो शरीर को इंस्टेंट एनर्जी दें और दिन भर एक्टिव रखने का काम करें। अगर आपका सुबह का नाश्ता हेल्दी होगा तो इससे आपके शरीर में होने वाली कई समस्याओं का भी खतरा कम होता है ब्रेकफास्ट के समय डाइट में फलों को शामिल करते समय इस बात का ध्यान जरूर रखना चाहिए कि इस दौरान किन फलों का सेवन करना फायदेमंद होता है। ब्रेकफास्ट के समय जिन चीजों का सेवन आप करते हैं उनमें पर्याप्त मात्रा में कैलोरी, प्रोटीन, विटामिन, फाइबर और कार्ब्स होने चाहिए।

अर्जुन कपूर ने त्रिशूल और दीवार से की केजीएफ चैप्टर-2 और पुष्पा की तुलना

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर ने दक्षिण भारतीय फिल्म केजीएफ चैप्टर-2 और पुष्पा की तुलना हिंदी फिल्म त्रिशूल और दीवार से की है। अर्जुन कपूर ने हिंदी बेल्ट में केजीएफ चैप्टर 2 और पुष्पा फिल्म की सफलता के बारे में बात की। उन्होंने दोनों फिल्मों की तुलना अमिताभ बच्चन की ब्लॉकबस्टर फिल्म त्रिशूल और दीवार से कर दी। उन्होंने कहा कि यश और अल्लू अर्जुन की फिल्मों में देसीपन था इसी देसी रवैये के कारण ये फिल्में हिंदी बेल्ट में भी खूब पसंद की गईं। अर्जुन कपूर ने कहा कि अभी भी लोगों को ये समझने की जरुरत है कि आखिर मेनस्ट्रीम सिनेमा क्या है।

उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता कि आज के दौर में कितने लोगों ने यश जी की त्रिशूल और दीवार देखी है, जो फिल्में बनाना और कहानियां दिखाना चाहते हैं। क्योंकि दर्शक अब भी वही हैं। पुष्पा और केजीएफ इस वजह से चली, क्योंकि उनमें एक तय सीमा तक देसीपन है। हम वुल्फ ऑफ वॉल स्ट्रीट में एक गरीब की अमीर बनने की कहानी के तौर पर देखते हैं।

रणबीर कपूर के साथ काम करेंगे कार्तिक आर्यन

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन, रणबीर कपूर के साथ काम करते नजर आ सकते हैं। बॉलीवुड में चर्चा है कि कार्तिक आर्यन जल्द ही निर्देशक संजय लीला भंसाली के साथ काम करते नजर आ सकते हैं।कार्तिक आर्यन हाल ही में संजय लीला भंसाली के ऑफिस के बाहर नजर आए थे, जिसके बाद इस बात की चर्चा है कि वह भंसाली के साथ काम कर सकते हैं।संजय लीला भंसाली इन दिनों अपने बैनर तले कई फिल्में प्लान कर रहे हैं, जिनमें से किसी एक में वह कार्तिक आर्यन को कास्ट

कर सकते हैं। चर्चा है कि संजय लीला भंसाली जल्द ही रणबीर कपूर के साथ अपनी नई फिल्म बैजू बावरा शुरू कर सकते हैं। इस फिल्म की प्लानिंग वह काफी लंबे समय से कर रहे थे।

स्टीव स्मिथ इतिहास रचने के करीब, ऐसा कारनामा करने वाले बनेंगे छठे ऑस्ट्रेलियाई

नई दिल्ली: श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के बीच जारी दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 29 जुलाई से गॉल में खेला जा रहा है. इस मुकाबले में श्रीलंकाई टीम टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 212 रन बनाने में कामयाब रही. वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम ने खबर लिखे जाने तक अपनी पहली पारी में पांच विकेट के नुकसान पर 233 रन बना लिए हैं. ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए पहली पारी में आउट होने वाले खिलाड़ी उस्मान ख्वाजा (71), डेविड वॉर्नर (25), मार्नस लैबुशेन (13), स्टीव

स्मिथ (6) और ट्रैविस हेड (6) हैं. ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज बल्लेबाज स्टीव स्मिथ (आज दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से उस्मान ख्वाजा के गलत कॉल पर रन आउट हुए.

श्रीलंका के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज में स्मिथ के पास एक खास उपलब्धि हासिल करने का सुनहरा मौका है. दरअसल मौजूदा समय में वह ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में सातवें स्थान पर स्थित हैं. श्रीलंका के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज में अगर उनके बल्ले से 14 रन और निकलते हैं तो वह ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले छठे बल्लेबाज बन जाएंगे. यही नहीं वह ऑस्ट्रेलियाई टीम के पूर्व कप्तान मार्क वॉ को भी टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में पीछे छोड़ देंगे. मार्क वॉ फिलहाल ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले छठे बल्लेबाज हैं.

वॉ ने अपनी टीम के लिए रेड बॉल क्रिकेट में 128 मैच खेलते हुए 209 पारियों में 41.81 की एवरेज से 8029 रन बनाए हैं. वहीं बात करें स्टीव स्मिथ के टेस्ट करियर के बारे में तो उन्होंने खबर लिखे जाने तक 86* मैच खेलते हुए 152 पारियों में 59.37 की एवरेज से 8016 रन बना लिए हैं. टेस्ट क्रिकेट में उनके नाम 27 शतक और 36 अर्द्धशतक दर्ज है.

पीसीबी के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में छा गए 3 पाक खिलाड़ी

कराची. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने गुरुवार को 2022-23 के लिए पुरुष क्रिकेटरों की केंद्रीय अनुबंध सूची जारी कर दी है. यह अनुबंध सूची एक जुलाई 2022 यानि कल से लागू होगी. पीसीबी ने पहली बार खिलाड़ियों के लिए रेड और व्हाइट बॉल कॉन्ट्रैक्ट लागू किया है. इसके अलावा कुछ खिलाड़ियों को इमर्जिंग कैटेगरी में जोड़ा गया है.पीसीबी द्वारा जारी किए गए केंद्रीय अनुबंध सूची में कैप्टन बाबर आजम, विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान और स्टार तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को रेड और व्हाइट बॉल के कैटेगरी अ में रखा गया है. इसके अलावा हसन अली को रेड बॉल कैटेगरी इ और व्हाइट बॉल कैटेगरी उ में रखा गया है. इसके अलावा इमाम उल हक को रेड बॉल कैटेगरी उ और व्हाइट बॉल कैटेगरी इ में रखा गया है. इन खिलाड़ियों के अलावा पीसीबी ने रेड बॉल कैटेगरी में कुल 10 खिलाड़ियों को शामिल किया है. इसमें अजहर अली को अ कैटेगरी में रखा गया है. इसके अलावा फवाद आलम को इ कैटेगरी में शामिल किया गया है. इन दोनों खिलाड़ियों के अलावा अब्दुल्ला शफीक, नसीम शाह और नौमान अली को उ कैटेगरी में रखा गया है. वहीं आबिद अली, सरफराज अहमद, सऊद शकील, शान मसूद और यासिर शाह ऊ कैटेगरी में जगह बनाने में कामयाब हुए हैं.रेड बॉल कैटेगरी की तरह ही पीसीबी ने व्हाइट बॉल के लिए भी अनुबंध सूची जारी किया है. व्हाइट बॉल कैटेगरी में फखर जमान और शादाब खान को अ कैटेगरी में रखा गया है. इसके अलावा हारिस रऊफ को इ और मोहम्मद नवाज को उ कैटेगरी में रखा गया है. वहीं ऊकैटेगरी में आसिफ अली, हैदर अली, खुशदिल शाह, मोहम्मद वसीम जूनियर, शाहनवाज दहानी, उस्मान कादिर और जाहिद महमूद जगह बनाने में कामयाब हो पाए हैं. इन श्रेणियों के अलावा पीसीबी ने इमर्जिंग खिलाड़ियों के लिए भी इस साल केंद्रीय अनुबंध सूची जारी की है. इमर्जिंग खिलाड़ियों की सूची में अली उस्मान, हसीबुल्लाह, कामरान गुलाम, मोहम्मद हरीस, मोहम्मद हुरैरा, कासिम अकरम और सलमान अली आगा का नाम शामिल है.

इंग्लैंड के पूर्व पेसर बोले, टेस्ट क्रिकेट से पहले आईपीएल को रखकर भारत ने गलत किया

नई दिल्ली. इंडियन प्रीमियर लीग यकीनन दुनिया भर में सबसे बड़ा टी20 टूर्नामेंट है. इस लीग में दुनियाभर के दिग्गज क्रिकेटर खेले हैं और खेलना चाहते हैं. कई युवा क्रिकेटरों के करियर को पंख आईपीएल ने ही दिए जो आज दुनियाभर में डंका बजा रहे हैं. इस बीच इंग्लैंड के पूर्व पेसर पॉल न्यूमैन ने कहा है कि भारत ने टेस्ट क्रिकेट से पहले आईपीएल को रखकर गलत उदाहरण पेश किया है. क्रिकेट बिरादरी का एक वर्ग आईपीएल की आलोचना करता रहा है. ऐसे कई लोग हैं जिन्होंने कई कारणों से टेस्ट क्रिकेट में लगातार गिरावट के लिए आईपीएल को जिम्मेदार ठहराया है. पूर्व इंग्लिश क्रिकेटर पॉल न्यूमैन भी इसी लिस्ट में शामिल हैं. भारत और इंग्लैंड के बीच पुनर्निधारित 5वें टेस्ट के बारे में बात करते हुए उन्होंने इस टी20 लीग को निशाना बनाया. पॉल न्यूमैन ने कहा कि भारतीय क्रिकेट टीम ने टेस्ट मैचों से ऊपर आईपीएल को प्राथमिकता दी और खिलाड़ी पिछले साल सीरीज खत्म करने के लिए पर्याप्त रूप से प्रतिबद्ध नहीं थे. अब भारतीय टीम इंग्लैंड की मेजबानी में 1 टेस्ट, 3-3 वनडे और टी20 मैच खेलेगी. टेस्ट मैच 1 जुलाई से एजबेस्टन में खेला जाएगा और सीरीज करीब 3 सप्ताह तक चलेगी.

शिवसेना के बागी विधायकों के खिलाफ दायर याचिका राजनीति से प्रेरित है- बंबई उच्च न्यायालय

मुंबईः बंबई उच्च न्यायालय ने शिवसेना के बागी नेता एकनाथ शिंदे और पार्टी के अन्य असंतुष्ट विधायकों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग करते हुए सात नागरिकों द्वारा दायर जनहित याचिका को बृहस्पतिवार को राजनीतिक रूप से प्रेरित मुकदमा बताया और कहा कि अगर याचिकाकर्ता जमानत राशि के तौर पर एक लाख रुपये जमा कराते हैं तो वह याचिका पर सुनवाई करेगा. मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति एम एस कार्णिक की पीठ ने राजद्रोह और सार्वजनिक शांति भंग करने के लिए शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे, उनके बेटे आदित्य ठाकरे और पार्टी नेता संजय राउत के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने का अनुरोध करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता हेमंत पाटिल द्वारा दायर एक अन्य जनहित याचिका भी खारिज कर दी.

दोनों याचिकाएं इस हफ्ते की शुरूआत में दायर की गयी थीं.

सात नागरिकों द्वारा दायर याचिका में कहा गया है कि शिंदे और अन्य बागी विधायकों ने राजनीतिक उथल-पुथल पैदा की और आंतरिक अव्यवस्था को भड़काया. पाटिल ने अपनी जनहित याचिका में ठाकरे पिता-पुत्र और राउत को बागी विधायकों के खिलाफ कोई और बयान देने से रोकने का अनुरोध किया. उच्च न्यायालय ने पाटिल की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता के पास एक निजी शिकायत के साथ मजिस्ट्रेट की अदालत का रुख करने का कानूनी उपाय था.सात नागरिकों द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए पीठ ने उनके वकील आसिम सरोडे से पूछा कि क्या बुधवार को हुए घटनाक्रम (उद्धव ठाकरे के महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने) के मद्देनजर अब भी याचिकाओं पर सुनवाई की जानी चाहिए. सरोडे ने कहा कि अदालत को काम से दूर रहने और अपने कर्तव्यों की अनदेखी करने के लिए बागी विधायकों के खिलाफ संज्ञान लेना चाहिए.

इस पर पीठ ने पूछा कि अदालत को इसका संज्ञान क्यों लेना चाहिए. मुख्य न्यायाधीश ने कहा, ह्ह्आपने मंत्रियों को चुना, आप कार्रवाई करिए. हमें क्यों संज्ञान लेना चाहिए? इसके बाद अदालत ने सरोडे ने पूछा कि कौन-सा नियम कहता है कि विधायकों या मंत्रियों को हर वक्त शहर या राज्य में रहना होगा.

URGENTLY REQUIRED FEMALE STAFF

VACANCY VACANCY

ICON OPTICAL GALLERY

Urgently Required Female Staff Accountant Cum Sales Girl For Counter Sell.

Note : Must Have Computer Operating Knowledge

Contact Us : 9819292152

Shop No. 52, R.N.A. Arcade, Lokhandwala Complex, Andheri (West), Mumbai - 400 053

murtaza12152@yahoo.com

TASNEEM COLLECTION

Online Shopping Hub

Only of Ladies Bags, Kurtis, Accessories

Kitchen & Household items

Baby products

Plastic items

And much more......all under one roof

Best business apportunity for housewives to become reseller & earn at zero investment

Farida Rampurawala :

8898065152

RH 1, C 26 row house number, Swamy Ayyappam temple road, Sector. 8, New Mumbai, Vashi-400 703

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक – मुर्तुजा मामाजीवाला के द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4, ग्राउंड फ्लोअर, एन. के इंडस्ट्रिअल इस्टेट , ऑफ आरे रोड , प्रवासी इंडस्ट्रिअल इस्टेट के पास , गेट नं. 2, गोरेगाव (पूर्व),मुंबई – 400063 से मुद्रित कर शिव वातुक सेना कासिम नगर नियर लक्ष्मी इस्टेट न्यू लिंक रोड, अंधेरी (प),मुंबई -400053 प्रकाशित । संपादक : मुर्तुजा मामाजीवाला मों. 9819199997

T.C. NO. MAHHIN10172 ■ ईमेल: newsicon2021@gmail.com ■ newsicon.net